

1

---

---

---

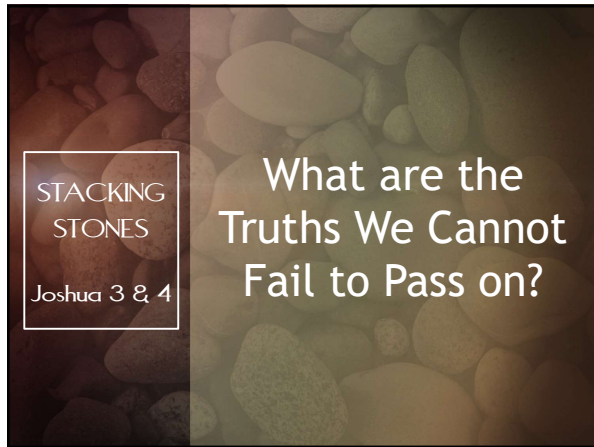
---

---

---

---

---



2

---

---

---

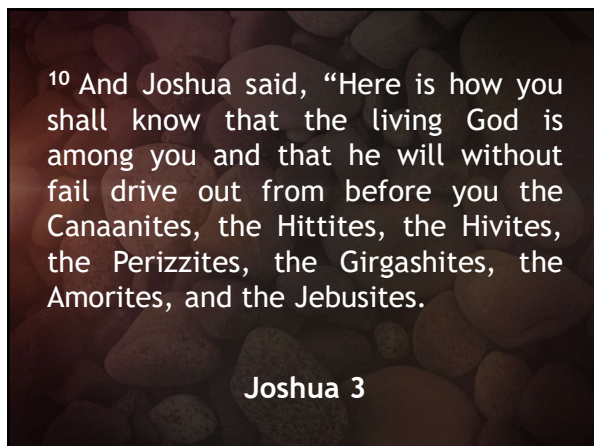
---

---

---

---

---



3

---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>11</sup> Behold, the ark of the covenant of the Lord of all the earth is passing over before you into the Jordan. <sup>12</sup> Now therefore take twelve men from the tribes of Israel, from each tribe a man.

**Joshua 3**

---

---

---

---

---

---

---

---

4

<sup>13</sup> And when the soles of the feet of the priests bearing the ark of the LORD, the Lord of all the earth, shall rest in the waters of the Jordan, the waters of the Jordan shall be cut off from flowing, and the waters coming down from above shall stand in one heap.”

**Joshua 3**

---

---

---

---

---

---

---

---

5

<sup>14</sup> So when the people set out from their tents to pass over the Jordan with the priests bearing the ark of the covenant before the people,

**Joshua 3**

---

---

---

---

---

---

---

---

6

<sup>15</sup> and as soon as those bearing the ark had come as far as the Jordan, and the feet of the priests bearing the ark were dipped in the brink of the water (now the Jordan overflows all its banks throughout the time of harvest),

**Joshua 3**

7

---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>16</sup> the waters coming down from above stood and rose up in a heap very far away, at Adam, the city that is beside Zarethan, and those flowing down toward the Sea of the Arabah, the Salt Sea, were completely cut off. And the people passed over opposite Jericho.

**Joshua 3**

8

---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>17</sup> Now the priests bearing the ark of the covenant of the LORD stood firmly on dry ground in the midst of the Jordan, and all Israel was passing over on dry ground until all the nation finished passing over the Jordan.

**Joshua 3**

9

---

---

---

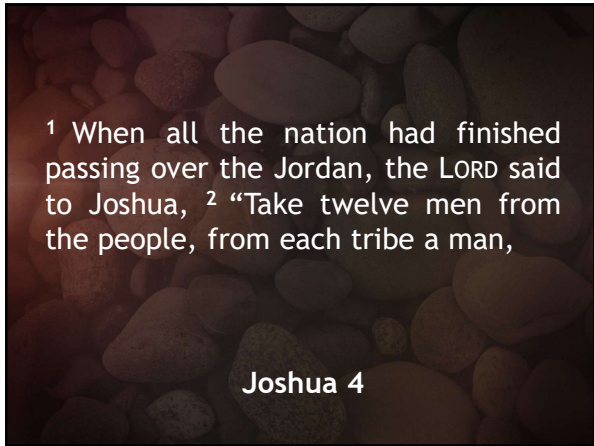
---

---

---

---

---



10

---

---

---

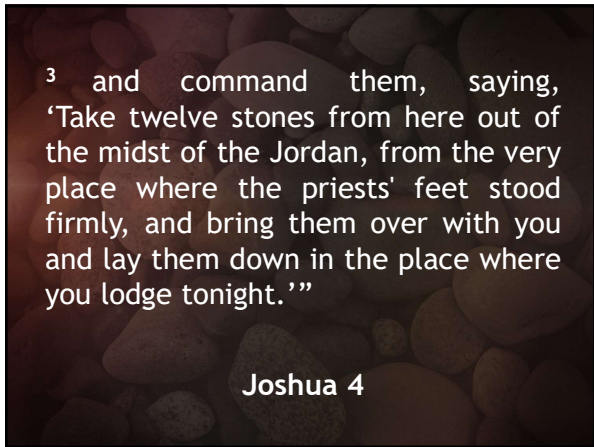
---

---

---

---

---



11

---

---

---

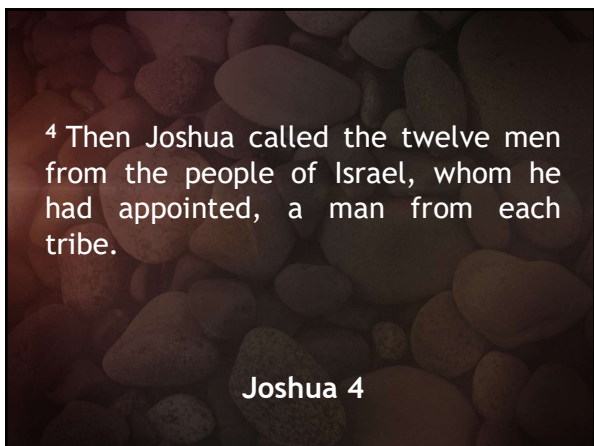
---

---

---

---

---



12

---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>5</sup> And Joshua said to them, “Pass on before the ark of the LORD your God into the midst of the Jordan, and take up each of you a stone upon his shoulder, according to the number of the tribes of the people of Israel,

Joshua 4

13

---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>6</sup> that this may be a sign among you. When your children ask in time to come, ‘What do those stones mean to you?’

Joshua 4

14

---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>7</sup> then you shall tell them that the waters of the Jordan were cut off before the ark of the covenant of the LORD. When it passed over the Jordan, the waters of the Jordan were cut off. So these stones shall be to the people of Israel a memorial forever.”

Joshua 4

15

---

---

---

---

---

---

---

---

19 The people came up out of the Jordan on the tenth day of the first month, and they encamped at Gilgal on the east border of Jericho. 20 And those twelve stones, which they took out of the Jordan, Joshua set up at Gilgal.

Joshua 4

16

---

---

---

---

---

---

---

---

21 And he said to the people of Israel, "When your children ask their fathers in times to come, 'What do these stones mean?' 22 then you shall let your children know, 'Israel passed over this Jordan on dry ground.'

Joshua 4

17

---

---

---

---

---

---

---

---

23 For the LORD your God dried up the waters of the Jordan for you until you passed over, as the LORD your God did to the Red Sea, which he dried up for us until we passed over,

Joshua 4

18

---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>24</sup> so that all the peoples of the earth may know that the hand of the LORD is mighty, that you may fear the LORD your God forever.”

**Joshua 4**

19

---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>6</sup> When Joshua dismissed the people, the people of Israel went each to his inheritance to take possession of the land. <sup>7</sup> And the people served the LORD all the days of Joshua, and all the days of the elders who outlived Joshua, who had seen all the great work that the LORD had done for Israel.

**Judges 2**

20

---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>8</sup> And Joshua the son of Nun, the servant of the LORD, died at the age of 110 years. <sup>9</sup> And they buried him within the boundaries of his inheritance in Timnath-heres, in the hill country of Ephraim, north of the mountain of Gaash.

**Judges 2**

21

---

---

---

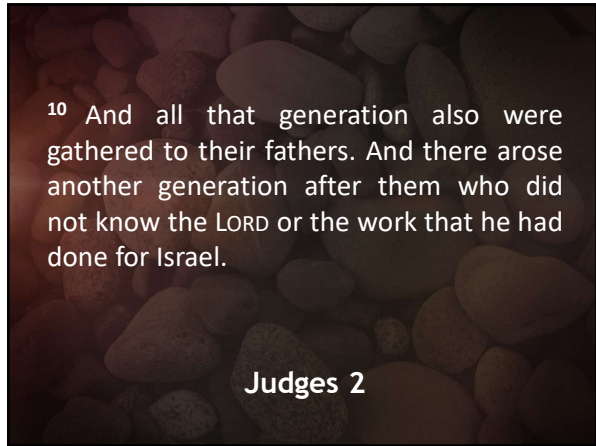
---

---

---

---

---



22

---

---

---

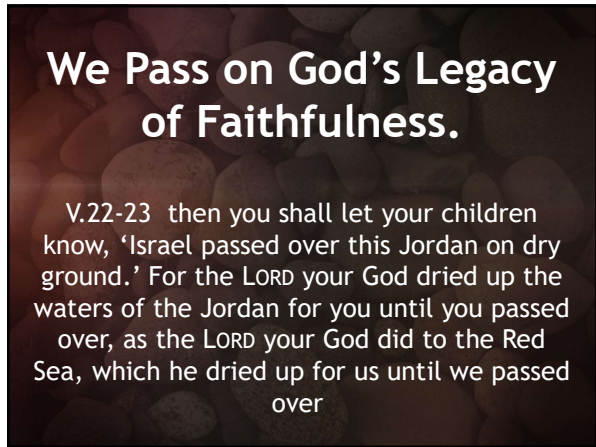
---

---

---

---

---



23

---

---

---

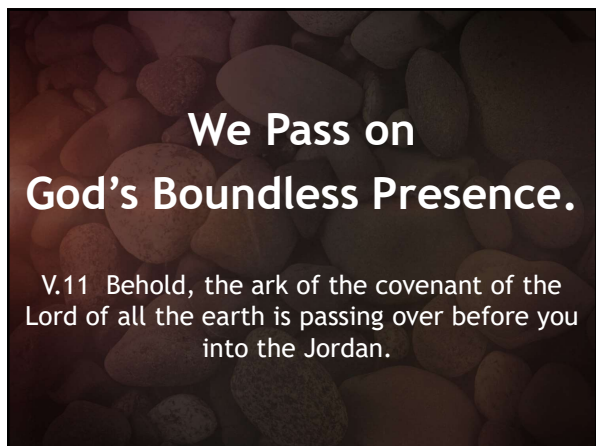
---

---

---

---

---



24

---

---

---

---

---

---

---

---



**We Pass on  
God's Limitless Power.**

V.17 Now the priests bearing the ark of the covenant of the LORD stood firmly on dry ground in the midst of the Jordan, and all Israel was passing over on dry ground until all the nation finished passing over the Jordan.

25

---

---

---

---

---

---

---

---

**We Pass on  
God's Binding Authority.**

V.24 so that all the peoples of the earth may know that the hand of the LORD is mighty, that you may fear the LORD your God forever.”

26

---

---

---

---

---

---

---

---

**God Wants You to  
be Living & Telling  
the Unspoiled  
Story of His  
Faithfulness.**

STACKING  
STONES  
Joshua 3 & 4

27

---

---

---

---

---

---

---

---